नईदुनिया

बिश्केक शिखर सम्मेलन की संपादित तस्वीर में ईरानी राष्ट्रपति समेत छह नेताओं को भी नहीं दिखाया

एससीओ की तस्वीर से मोदी को हटाने पर विवाद छह घंटे बाद पाकिस्तान ने साझा की मूल फोटो

विवाद बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने नई तस्वीर साझा की, जिसमें सभी नेता नजर आए

बिश्केक, एजेंसीः किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की एक समूह तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की गई तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत छह नेताओं को नहीं दिखाया गया था। मूल समूह तस्वीर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सदस्य देशों के 12 नेता मंच पर नजर आ रहे थे।

हालांकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा साझा की गई संपादित तस्वीर में केवल छह नेता दिखाई दिए। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत छह नेताओं को हटा दिया गया था। विवाद सामने आने के करीब छह घंटे बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एससीओ शिखर सम्मेलन की एक अन्य तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नजर आए। दूसरी ओर, भारतीय प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से साझा की गई समूह तस्वीर में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी दिखाई दिए। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भी मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। दोनों के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक पहले से तय नहीं थी। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी उनके साथ मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ को संबोधित करते हुए आतंकवाद के खिलाफ सभी देशों से एकजुट और समान नीति अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल आतंकियों को पकड़ना या मारना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें आर्थिक सहायता देने, भर्ती करने और शरण देने वाले पूरे तंत्र को समाप्त करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता। देशों को इस चुनौती के खिलाफ समान रूप से कठोर रुख अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में जारी संघर्षों का उल्लेख करते हुए विवादों का समाधान युद्ध के बजाय बातचीत और कूटनीति के माध्यम से निकालने की बात कही।

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शिखर सम्मेलन में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पानी को राजनीतिक दबाव या हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और साझा जल संसाधनों से जुड़े समझौतों को सुविधानुसार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ को दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन बताया। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों में विश्व की करीब आधी आबादी रहती है और ये देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से आरएसएस नेता की मौत, लोगों में गुस्सा

अवैध खनन से जुड़े वाहन का आरोप, घटना के बाद क्षेत्र में तनाव

नईदुनिया ब्यूरो, हापुड़ः उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में हाफिजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम मिट्टी से भरे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से आरएसएस नेता सतीश चौधरी की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और लोगों में आक्रोश देखा गया।

जानकारी के अनुसार, घटना हाफिजपुर थाना क्षेत्र में हुई, जहां मिट्टी से भरा ट्रैक्टर तेज गति से जा रहा था। आरोप है कि क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े वाहनों की आवाजाही हो रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर की चपेट में आने से सतीश चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सतीश चौधरी की मौत की खबर फैलते ही क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। स्थानीय लोगों और समर्थकों में घटना को लेकर आक्रोश देखा गया। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने घटना को गंभीर बताते हुए कार्रवाई की मांग की। आरोपों के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से जुड़े तथ्यों और ट्रैक्टर चालक की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

बताया गया कि हाफिजपुर क्षेत्र में मिट्टी से भरे वाहनों की तेज आवाजाही को लेकर पहले भी चिंताएं सामने आती रही हैं। सोमवार की घटना के बाद अवैध खनन और इससे जुड़े वाहनों की गतिविधियों पर सवाल उठने लगे हैं। आरएसएस नेता की मौत के बाद इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क रही। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और मामले में आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ट्रेन लेट हुई तो रेल यात्रियों के लिए बनाया 'व्हेयर इज माय ट्रेन' एप

एप की लोकप्रियता बढ़ी तो गूगल ने किया कंपनी का अधिग्रहण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः ट्रेन के देरी से चलने और उसकी सही स्थिति की जानकारी नहीं मिलने जैसी आम समस्या ने एक ऐसे विचार को जन्म दिया, जो आगे चलकर करोड़ों रुपये की बड़ी डील तक पहुंच गया। अहमद निजाम और उनकी टीम ने यात्रियों की इसी परेशानी को समझते हुए 'व्हेयर इज माय ट्रेन' नाम का एप तैयार किया।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को अक्सर यह पता नहीं चल पाता था कि उनकी ट्रेन कहां पहुंची है और स्टेशन तक आने में उसे कितना समय लगेगा। ट्रेन के देरी से चलने पर यह परेशानी और बढ़ जाती थी। इसी समस्या का आसान समाधान तैयार करने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यह ऐप शुरू किया गया। इस ऐप की सबसे खास विशेषता यह थी कि कई परिस्थितियों में यह बिना इंटरनेट और जीपीएस के भी ट्रेन की स्थिति की जानकारी दे सकता था। इसके लिए मोबाइल टावरों से मिलने वाली जानकारी का उपयोग किया जाता था। कमजोर इंटरनेट सुविधा वाले क्षेत्रों में यह विशेषता यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित हुई।

एप में लाइव ट्रेन स्थिति, ट्रेन समय-सारिणी, पीएनआर की जानकारी, प्लेटफॉर्म संबंधी सूचना और कोच की स्थिति जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़ती गई और बड़ी संख्या में रेल यात्री इसका उपयोग करने लगे। एप की बढ़ती उपयोगिता और लोकप्रियता ने गूगल का ध्यान आकर्षित किया। वर्ष 2018 में गूगल ने 'व्हेयर इज माय ट्रेन' विकसित करने वाली कंपनी सिग्मॉइड लैब्स का अधिग्रहण कर लिया। इस सौदे की आधिकारिक कीमत सार्वजनिक नहीं की गई थी, हालांकि विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में इसकी कीमत करीब 280 करोड़ रुपये बताई गई। यह कहानी बताती है कि रोजमर्रा की किसी छोटी समस्या का उपयोगी और सरल समाधान भी बड़े विचार का रूप ले सकता है। ट्रेन की देरी से शुरू हुई एक परेशानी ने लाखों यात्रियों के लिए उपयोगी तकनीक तैयार की और यही विचार आगे चलकर करोड़ों रुपये के अधिग्रहण तक पहुंच गया।

असॉल्ट राइफलें और पिस्तौल चोरी

नईदुनिया ब्यूरो, हैदराबादः तेलंगाना के सिकंदराबाद स्थित सेना केंद्र से हथियार चोरी होने का मामला सामने आया है। सेना ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। चोरी की घटना सिकंदराबाद छावनी के बोलारम स्थित मद्रास रेजिमेंट के शस्त्र भंडार में हुई। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, शस्त्र भंडार से पांच असॉल्ट राइफलें, सात पिस्तौलें, 21 मैगजीन और हथियारों के लिए रखा गोला-बारूद चोरी हुआ है। घटना के बाद सेना ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और जांच शुरू कराई गई। एफआईआर के अनुसार, 31 अगस्त 2026 की सुबह करीब 7 बजकर 50 मिनट पर जब कोट और बटालियन मैगजीन को खोला गया, तो वहां के दरवाजों के ताले टूटे हुए मिले। जांच के दौरान हथियारों और अन्य सामग्री के गायब होने की जानकारी सामने आई। यह मामला मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। हथियार रखने वाली जगह के दरवाजे के ताले खुले हुए थे। वहां रखी सामग्री की जांच करने पर चोरी का पता चला।

दिल्ली के 2.30 लाख घरों में मुफ्त लगेंगे 3 किलोवाट के सोलर पैनल

कैबिनेट ने संशोधित दिल्ली सोलर नीति को दी मंजूरी, 400 यूनिट या अधिक खपत वाले घर होंगे पात्र

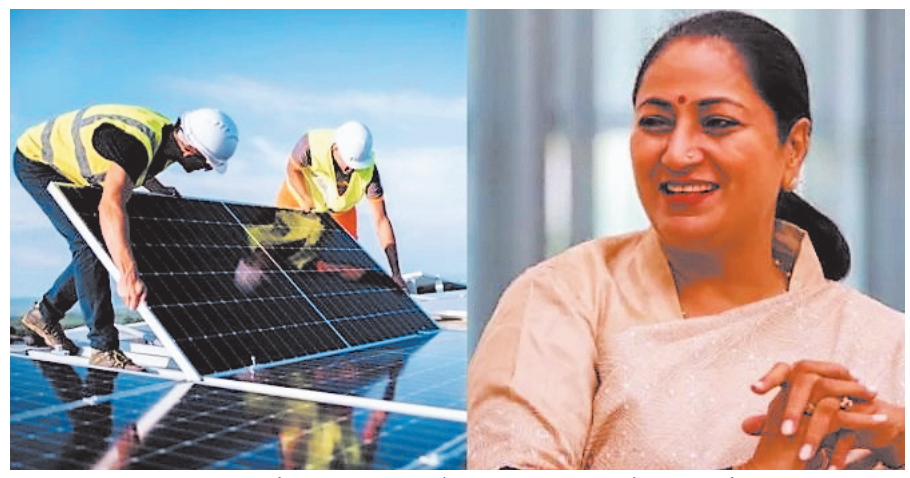

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः दिल्ली सरकार ने राजधानी में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। सरकार करीब 2.30 लाख घरों में मुफ्त 3 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल लगवाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद इस निर्णय की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में संशोधित दिल्ली सोलर नीति को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत ऐसे घरों को मुफ्त रूफटॉप सोलर पैनल उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी मासिक बिजली खपत 400 यूनिट या उससे अधिक है।

सरकार के अनुसार, योजना के माध्यम से राजधानी में अधिक से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए लगभग 2.30 लाख घरों को 3 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल की सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कैबिनेट ने संशोधित दिल्ली सोलर नीति को मंजूरी दे दी है और इसके तहत पात्र उपभोक्ताओं को मुफ्त सोलर पैनल उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना का लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी मासिक बिजली खपत निर्धारित सीमा के अनुसार 400 यूनिट या उससे अधिक है।

दिल्ली सरकार का यह फैसला रूफटॉप सोलर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संशोधित सोलर नीति को मंजूरी मिलने के साथ ही सरकार ने बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से जोड़ने की योजना तैयार की है। योजना के अंतर्गत पात्र घरों पर 3 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए जाएंगे। सरकार ने कैबिनेट के निर्णय के माध्यम से स्पष्ट किया है कि करीब 2.30 लाख घरों को इस सुविधा के दायरे में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संशोधित दिल्ली सोलर नीति के तहत सरकार पात्र परिवारों को मुफ्त रूफटॉप सोलर पैनल उपलब्ध कराएगी। इसके लिए 400 यूनिट या उससे अधिक मासिक बिजली खपत करने वाले घरों को योजना में शामिल किया गया है।

बड़ी मांगें पूरी किए बिना समझौता रूस में कमजोरी के रूप में देखा जा सकता है : रिपोर्ट

युद्ध खत्म करने से पुतिन को सत्ता जाने का डर

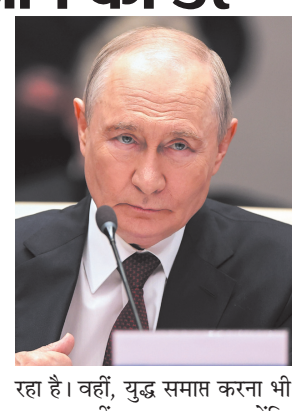

बिश्केक, एजेंसीः रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को आशंका है कि यदि उन्होंने पूरे डोनबास पर कब्जा किए बिना यूक्रेन युद्ध समाप्त किया तो रूस के प्रभावशाली और ताकतवर वर्ग में उनके खिलाफ नाराजगी बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन अपनी प्रमुख मांगें पूरी किए बिना युद्ध समाप्त करने को राजनीतिक कमजोरी के रूप में देखे जाने से चिंतित हैं। क्रेमलिन के करीबी एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध समाप्त होने के संभावित परिणामों पर चर्चा के दौरान पुतिन ने एक बार कहा था कि यदि उनकी शर्तें पूरी नहीं हुईं तो उन्हें फांसी पर लटका दिया जाएगा। पुतिन का मानना है कि रूस का नेता कमजोर दिखाई देने पर उसके लिए सत्ता में बने रहना कठिन हो सकता है।

यूक्रेन के डोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों को मिलाकर डोनबास कहा जाता है। रूस का इस क्षेत्र के करीब 90 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण बताया गया है। रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, जबकि यूक्रेन अपनी भूमि छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। यही मुद्दा दोनों देशों के बीच संभावित शांति समझौते की सबसे बड़ी बाधाओं में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय से जारी युद्ध ने पुतिन के सामने कठिन परिस्थितियां खड़ी कर दी हैं। युद्ध जारी रहने से यूक्रेन रूस के तेल और ऊर्जा ठिकानों पर हमले कर रहा है, जिससे आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। वहीं, युद्ध समाप्त करना भी आसान नहीं माना जा रहा, क्योंकि पुतिन को आम जनता से अधिक उन प्रभावशाली लोगों की प्रतिक्रिया की चिंता है, जिनके पास धन, हथियार और सत्ता तक पहुंच है।

रूस के ताकतवर वर्ग में अब युद्ध की पूर्ण विजय के बजाय इसे किस तरह समाप्त किया जाए, इस पर विचार होने की बात सामने आई है। लंबे युद्ध के बाद देश ने क्या हासिल किया, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुतिन की सत्ता पर पकड़ अभी मजबूत मानी जाती है और रूस के पास युद्ध जारी रखने के लिए संसाधन तथा विरोध को नियंत्रित करने की व्यवस्था मौजूद है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध फरवरी 2022 से जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा बताया गया है। संघर्ष में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई, जबकि लाखों यूक्रेनी नागरिकों को अपने घर छोड़ने पड़े।

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

एक-दूसरे के कार्यालय और घर पर हमले के आरोप, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

नईदुनिया ब्यूरो, नलगोंडाः तेलंगाना के नलगोंडा में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच सोमवार रात तनावपूर्ण स्थिति बन गई। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद एक-दूसरे के कार्यालयों और नेताओं के ठिकानों पर हमले तथा तोड़फोड़ के आरोप लगाए गए। घटना के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के जिलाध्यक्ष नागम वार्षित रेड्डी के घर में तोड़फोड़ की। इसके बाद क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के कैंप कार्यालय और भाजपा के जिला कार्यालय पर सुरक्षा बढ़ा दी। बताया गया कि विवाद की शुरुआत सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्री के कैंप कार्यालय में कथित तोड़फोड़ के बाद हुई। इससे पहले यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यालय के मुख्य द्वार पर काला रंग फेंकने की घटना भी सामने आई थी। इसके बाद दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव बढ़ गया और सोमवार रात झड़प की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने के साथ ही संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी। पुलिस के अनुसार, फिलहाल दोनों पक्षों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और झड़प तथा कथित तोड़फोड़ की घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

आईएएस दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर ग्रामीण भावुक

नईदुनिया ब्यूरो, मिर्जापुरः उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर स्थित लहरियादह गांव के ग्रामीण आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल के इस्तीफे की खबर से भावुक हो गए।

ग्रामीणों ने उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि गांव के लिए उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। लहरियादह गांव में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार, गांव तक नल से पानी पहुंचाने का काम दिव्या मित्तल के प्रयासों से पूरा हुआ। इसके बाद लोगों को बड़ी राहत मिली और उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ।

ग्रामीणों ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार गांव में नल के माध्यम से पानी पहुंचा था। इस कार्य के लिए वे दिव्या मित्तल को हमेशा याद रखेंगे। ग्रामीणों ने उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।

दिव्या मित्तल के इस्तीफे के बाद गांव के लोगों ने उनके कार्यकाल से जुड़े कार्यों को याद किया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक पद पर रहते हुए उन्होंने गांव की समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए प्रयास किए।

सराहना *मजबूत नींव, पक्के ढांचे और अनुकूल स्थिति ने त्रिशूली नदी किनारे बने मकान को बचाया...*

बाढ़ की भीषण तबाही में बचा 40 साल पुराना घर

काठमांडू, एजेंसीः नेपाल में 26 अगस्त को त्रिशूली नदी में आई भीषण बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई। तेज बहाव में वाहन, इमारतें और लोगों का सामान बह गया, लेकिन नुवाकोट जिले में नदी किनारे बना करीब 40 वर्ष पुराना एक मकान लगभग सुरक्षित बच गया। बाढ़ के बाद इस घर के चित्र और वीडियो सामने आने पर यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। घर के मालिक प्रकाश के अनुसार, मकान की मजबूत नींव इसके सुरक्षित रहने की प्रमुख वजह हो सकती है। नदी के समीप होने के कारण निर्माण के समय नींव पर विशेष ध्यान दिया गया था और उसके नीचे सड़क निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की कई परतें डाली गई थीं। बाढ़ के दौरान पानी तेजी से बढ़ने पर परिवार के सदस्य घर की ऊपरी मंजिलों और बाद में सबसे ऊंचे हिस्से में पहुंच गए। परिवार करीब एक से डेढ़ घंटे तक वहां फंसा रहा। पानी कुछ कम होने पर आसपास के लोगों ने पाइप और रस्सी की सहायता से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घर की मालकिन लक्ष्मी पांडेय ने इस घटना को अपने लिए नया जीवन बताया। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान वह लगातार भगवान शिव का स्मरण कर रही थीं। उन्होंने 2015 के भूकंप का भी उल्लेख करते हुए बताया कि उस समय भी उनका मकान सुरक्षित रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार, मकान के बचने के पीछे केवल एक कारण नहीं था। मजबूत कंक्रीट के पिलर और बीम, लोहे से सुदृढ़ ढांचा, गहरी नींव और घर की स्थिति ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घर नदी के सबसे तेज बहाव के सीधे रास्ते में नहीं था, जिससे पानी और मलबे का बड़ा हिस्सा दोनों ओर से निकल गया। विशेषज्ञों का मानना है कि बाढ़ के शुरुआती दौर में जमा कीचड़ और मलबे ने भी बाद में कुछ हद तक ढाल का काम किया। मजबूत पिलर, बीम और नींव ने पानी तथा मलबे के दबाव को सहने में सहायता की। इस प्रकार मजबूत निर्माण, गहरी नींव, अनुकूल स्थान और आसपास की परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से यह पुराना मकान विनाशकारी बाढ़ के बीच भी खड़ा रहा।